(c) The Union Minister for Labour, who was the leader of the Indian delegation. Shri R. P. Billimoria, the Employers' delegate, and Shri Kanti Mehta, the workers' delegate, took part in the discussion on the Report of the Director-General. The members of the Indian delgation also took an active part in the work of the different Committees appointed by the Conference to consider the various items on its agenda. In accordance with the Government of India's general policy, the members of the Indian Government delegation tried to get the instruments adopted by the Conference changed, wherever necessary so as to suit the conditions prevailing in developing countries like India.

बी० सी० जी० वैक्सीन तथा ट्यूबरक्यूलोसिस घोल का उत्पादन

1943. **श्री महादीपक सिंह शाक्य :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार नियोजन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या क्षय रोग पर नियंत्रण के लिए देश में बी०सी०जी० वैक्सीन तथा ट्यूबरक्यूलोसिस घोल का उत्पादन पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है, और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० के० किस्कु) : (क) और (ख) इस समय बी०सी०जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिंडि, मद्रास में बी०सी०जी० वैक्सीन की लगभग तीन से साढ़े तीन करोड़ तक मात्राओं का वार्षिक उत्पादन हो रहा है जो राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काफी है। फिर भी, पांचवीं पंच वर्षीय योजना की अवधि के अन्त तक सुखाकर जमाई गई बी०सी०जी वैक्सीन के उत्पादन को सालाना लगभग 6 करोड़ खुराकों तक बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं ताकि बी०सी०जी० वैक्सीन के प्रयोग में प्रस्तावित विस्तार के कारण होने वाली मांग को पूरा किया जा सके। ट्यूबरक्यूलिन परीक्षण किए बिना मात्रा 20 वर्ष की आयु तक के लोगों को सीधा बी० सी० जी० टीका लगाने की अपनाई गई नीति को देखते हुए ट्यूबरक्यूलोसिस घोल का उत्पादन काफी कर कर दिया गया है।

ट्यूबरक्युलोसिस तथा बी० सी० जी० वैक्सीन का पड़ौसी देशों को निर्यात

1944. **श्री महादीपक सिंह शाक्य :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार नियोजन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ट्यूबरक्यूलोसिस घोल तथा बी० सी० जी वैक्सीन पड़ौसी देशों को भेजा जाता है ; और

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1972-73 में निर्यात की गई मात्रा की तुलना में वर्ष 1973-74 में कुल कितनी मात्रा निर्यात की गई और किन-किन देशों को ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० के० किस्कु) : (क) जी हां।

(ख) 1972-73 और 1973-74 के दौरान भारत द्वारा किया गया ट्यूबरक्यूलोसिस घोल तथा बी०सी०जी० वैक्सीन का निर्यात इस प्रकार है :—

	1972-73		1973-74	
	बी० सी० जी० वक्सीन	पी० पी० जी० घोल	बी० सी० जी० वैक्सीन	पी० पी० डी० घोल
1. भूटान	40,000	12,500 मात्राएं	20,000 मात्राएं	1000 सी० सी०
2. नेपाल	शून्य	4,900 मात्रायें	शून्य	700 सी०सी०